	मई 2020	शक्तिशाली (ए), मध्यम (बी), साधारण (सी)	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1	अमृतवेले की स्थिति	शक्तिशाली, मध्यम, साधारण																															
2	मुरली सुनते स्थिति	नशायुक्त, एकाग्र अटेन्शन, साधारण																															
3	भोजन करते समय	योगयुक्त, अटेन्शन, साधारण																															
4	सारे दिन में कुल योग	8 घण्टे से ज्यादा, 8 घंटे तक, 4 घंटे																															
5	दृष्टि और वृत्ति	भाई-भाई, साधारण, देहभान अवगुणी																															
6	स्थिति कैसी रही?	उमंग उत्साह, उतार चढ़ाव, मूड ऑफ होना																															
7	संकल्प	सदा श्रेष्ठ शक्तिशाली, साधारण, व्यर्थ																															
8	वाणी	वरदानयुक्त, साधारण, आवेशयुक्त																															
9	कर्म	कर्मयोगी, योग-वियोग, अलबेलापन																															
10	सम्बन्ध-सम्पर्क	सेवा का सम्बन्ध, प्रभाव-लगाव, टकराव																															
	दिन का आदि समय																																
	दिन का अंत समय																																

1	मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।	12	मैं दानी, महादानी, वरदानीमूर्त आत्मा हूं।	23	मैं प्योरिटी की पर्सनैलिटी से संपन्न आत्मा हूं।
2	मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूं।	13	मैं हर दृश्य को साक्षी हो देखने वाली साक्षीद्रष्टा आत्मा हूं।	24	मैं फालो फादर सरलचित्त योगी आत्मा हूं।
3	मैं बाप समान विश्वकल्याणकारी आत्मा हूं।	14	मैं परम पवित्र, संपूर्ण निर्विकारी आत्मा हूं।	25	मैं दैवी गुणों की खान होलीहंस आत्मा हूं।
4	मैं मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।	15	मैं विघ्नविनाशक आत्मा हूं।	26	मैं देह से न्यारा डबल लाइट फरिश्ता हूं
5	मैं मास्टर दु:खहर्ता, सुखकर्ता आत्मा हूं।	16	मैं आत्मा ईष्टदेव-ईष्टदेवी हूं।	27	मैं शिवशक्ति कम्बाइण्ड आत्मा हूं।
6	मैं आत्मा सर्वशक्तियों की लाईट हूं।	17	मैं परमात्म शक्तियों की धधकती हुई ज्वाला हूं।	28	मैं आत्मा पवित्रता का प्रचण्ड सूर्य हूं।
7	मैं आत्मा त्याग, तपस्या और सेवा की मूर्त हूं।	18	मैं निरंतर मनसा सकाश देने वाला अव्यक्त फरिश्ता हूं।	29	मैं स्वदर्शनचक्रधारी विजयी आत्मा हूं।
8	मैं मास्टर ज्ञानसूर्य आत्मा हूं।	19	मैं आत्मा लाईट हाउस, माइट हाउस हूं।	30	मैं समर्थ स्मृतियों से भरपूर आत्मा हूं।
9	मैं इच्छा मात्रम अविद्या आत्मा हूं।	20	मैं आवाज की दुनिया से परे रहने वाली वानप्रस्थी आत्मा हूं।	31	मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूं।
10	मैं बेहद की वैरागी आत्मा हूं।	21	मैं देव कुल की महान आत्मा हूं।		***ओम शान्ति***
11	मैं नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप आत्मा हूं।	22	मैं आत्मा इस पुरानी दुनिया में मेहमान हूं,		